MASA-05

June - Examination 2026
M.A. (Final) Examination
SANSKRIT
गद्य एवं काव्य
Paper : MASA-05

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) कादम्बरी ग्रन्थ की नायिका कौन है?
   (ii) विन्ध्याटवी के पास स्थित सरोवर का नाम बताइए।
   (iii) 'शिशुपालवध' ग्रन्थ का उपजीव्य काव्य कौनसा ग्रन्थ है?
   (iv) 'शिशुपालवध' ग्रन्थ का अंगी रस कौनसा है?
   (v) 'विक्रमांकदेवचरितम्' के रचयिता कौन हैं?
   (vi) 'शिवमहिम्नः स्तोत्र' किस छन्द में निबद्ध है?
   (vii) 'कुमारसम्भव' ग्रन्थ के प्रणेता कौन हैं?
   (viii) पार्वती किसकी पुत्री हैं?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग अनुवाद कीजिए –

नाम्नैव यो निर्भिन्नारातिहृदयो विरचितनारसिंहरूपाडम्बरम्, एकविक्रमाक्रान्तसकलभुवनतलो विक्रमत्रयायासितभुवनत्रयं च जहासेव वासुदेवम्।
अतिचिरकाललग्नमतिक्रान्तकुनृपतिसहस्रसम्पर्ककलङ्कमिव क्षालयन्ती यस्य विमले कृपाणधाराजले चिरमुवास राजलक्ष्मीः।

अथवा

क्वचित् पार्थ रथपताकेव वानरांक्रान्ता, क्वचिदवनिपतिद्वारभूमिरिव वेत्रलताशतदुष्प्रवेशा, क्वचिद्विराटनगरीव कीचकशताकृला, क्वचिदम्बरश्रीरिव व्याधानुगम्यमानतरलतारकमृगा, क्वचिद्गृहीतव्रतेव दर्भचीरजटावल्कलधारिणी, अपरिमितबहलपत्रसंचयाऽपि सप्तपर्णभूषिता, क्रूरसत्त्वाऽपि मुनिजनसेविता, पुष्पवत्यपि पवित्रा विन्ध्याटवी नाम।

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

उत्तिष्ठमानस्तु परो नोपेक्ष्यः पथ्यमिच्छता।
समौ हि शिष्टैराम्नातौ वर्त्स्यन्तावामयः।।

अथवा

कृतापचारोऽपि परैरानाविष्कृतविक्रियः।
असाध्यः कुरुते कोपं प्राप्ते काले गदो यथा।।

4. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
वक्षःस्थली रक्षतु सा जगन्ति जगत्प्रसूतेर्गरुडध्वजस्य।
श्रियोऽङ्गरागेण विभाव्यते या सौभाग्यहेम्नः कषपट्टिकेव।।

अथवा

विधाय सैन्यं युधि साक्षिमात्रं दासीकृतायाः प्रतिपक्षलक्ष्म्याः।
यः प्रातिभाव्यार्थमिवाजुहाव महीभुजः शत्रुनरेन्द्रकीर्तिम्।।

5. निम्नलिखित श्लोक की संप्रसंग व्याख्या कीजिए –
मधुस्फीता वाचः परममृतं निर्मितवत–
स्तव ब्रह्मन्किं वागपि सुरगुरोर्विस्मयपदम्।
मम त्वेतां वाणीं गुणकथनपुण्येन भवतः
पुनामीत्यर्थेऽस्मिन् पुरमथन बुद्धिर्व्यवसिता।।

अथवा

महेशान्नापरो देवो महिम्नो नापरा स्तुतिः।
अघोरान्नापरो मन्त्रो नास्ति तत्त्वं गुरोः परम्।।

6. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
तथासमक्षं दहता मनोभवं
पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।
निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती
प्रियेषु सोभाग्यफला हि चारुता।

अथवा

विवक्षता दोषमपि च्युतात्मना
त्वयैकमीशं प्रति साधु भाषितम्।
यमामनन्त्यात्मभुवोऽपि कारणं
कथं स लक्ष्यप्रभवो भविष्यति।।

7. कादम्बरी ग्रन्थ के आधार पर विन्ध्याटवी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
8. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' की समीक्षा कीजिए।
9. 'शिवमहिम्नः स्तोत्र' के आधार पर शिव के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. कादम्बरी ग्रन्थ के उद्धरणों के आधार पर ''कादम्बरी रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते'' की विवेचना कीजिए।
11. 'शिशुपालवध' ग्रन्थ के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
12. 'विक्रमांकदेवचरितम्' ग्रन्थ के प्रथम सर्ग की विषयवस्तु को स्पष्ट कीजिए।
13. 'कुमारसम्भवम्' ग्रन्थ के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।
